लखनऊ, बरेली, मुरादाबाद, हल्द्वानी, अयोध्या व कानपुर से प्रकाशित

आषाढ़ शुक्ल पक्ष अष्टमी 02:05 उपरांत नवमी विक्रम संवत 2080

अमृत विचार

एक सम्पूर्ण अखबार

वर्ष 4, अंक 221, पृष्ठ 14, मूल्यः 6 रुपये

बरेली, सोमवार, 26 जून 2023

www.amritvichar.com

रिद्धिमा में सजी शास्त्रीय रागों की संध्या

कार्यालय संवाददाता, बरेली

रिद्धिमा में रविवार शाम स्वर संध्या में प्रस्तुति देते कलाकार।

- **विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा से सभी को प्रभावित किया**
- **अतिथि गायकों ने भी उनकी हौसला अफजाई की**

अमृत विचारः एसआरएमएस रिद्धिमा में रविवार की शाम शास्त्रीय रागों के स्वर गूंजे। इस स्वर श्रृंगार कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा से सभी को प्रभावित किया। गायन गुरु और अतिथि गायकों ने भी उनकी हौसला अफजाई की। सांस्कृतिक संध्या का आरंभ विद्यार्थी अतिशय गोयल ने राग यमन में मोहन मुरली अधर बजाओ से किया। पंखुरी गुप्ता ने राग बिहाग पर लट उलझी सुलझाओ बालमा, शताक्षी अग्रवाल ने राग भुपाली पर जाएं तोरे चरन कमल को स्वर दिए। डॉ. अनुज कुमार ने राग भैरवी पर श्याम सुंदर मदन मोहन दादरा को आवाज दी। डॉ. वंदना खन्ना ने देवा देवा और अतिथि इंदू परडल ने राग शिवरंजनी में लाखों न लाखों दादरा को प्रस्तुत किया। स्नेह आशीष दुबे ने गावत सब और आरुषि मजूमदार ने राग मारू बिहाग में जागूं मैं सारी रैना बलमा को स्वर दिए। गायकों का साथ बांसुरी पर चंद्रमोहन, वायलिन पर डॉ. विजय शंकर चौबे और सूर्यकांत चौधरी, तबला पर पुष्पेंद्र और सावन कुमार केवट, हारमोनियम पर टुकुमनी सेन, सितार पर कुंवर पाल, सारंगी पर उमेश मिश्रा, संतूर पर आशीष टोनी ने दिया। इस मौके पर एसआरएमएस ट्रस्ट के संस्थापक और चेयरमैन देवमूर्ति, आशा मूर्ति, आदित्य मूर्ति, सुभाष मेहरा, डॉ. प्रभाकर गुप्ता मौजूद रहे।